* 0000800000001 * DFD

Cambridge Assessment International Education

Cambridge IGCSE™

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER

CANDIDATE NUMBER

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **October/November 2025**

2 hours

You must answer on the question paper.

No additional materials are needed.

INSTRUCTIONS
- Answer **all** questions.
- Use a black or dark blue pen.
- Write your name, centre number and candidate number in the boxes at the top of the page.
- Write your answer to each question in the space provided.
- Do **not** use an erasable pen or correction fluid.
- Do **not** write on any bar codes.
- Dictionaries are **not** allowed.

INFORMATION
- The total mark for this paper is 60.
- The number of marks for each question or part question is shown in brackets [ ].

This document has **20** pages. Any blank pages are indicated.

NL 342197/2
© UCLES 2025

[Turn over

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 1: प्रश्न 1–6

हिंदी की सुप्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा के संस्मरण, 'वह 'निराला' भाई' को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

महादेवी वर्मा हिंदी के प्रसिद्ध कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' को अपना राखी-भाई मानती थीं। महादेवी ने एक बार राखी के त्योहार पर निराला की कलाई में राखी बाँधी और तब से उन्होंने जीवन भर उन्हें बहन का स्नेह दिया। सावन मास की पूर्णिमा के दिन अचानक निराला से पूछे एक प्रश्न और निराला के उत्तर ने कैसे हिंदी के दो श्रेष्ठ कवियों को सदा के लिए भाई-बहन के पवित्र बंधन में बाँध दिया इसका विवरण महादेवी वर्मा ने अपने संस्मरण, 'जो रेखाएँ न कह सकीं' में किया है। उनके संस्मरण से निराला के प्रति उनके स्नेह संबंध के साथ निराला के उदार और फक्कड़ स्वभाव और महादेवी वर्मा की संवेदनशीलता की झलक मिलती है। वे लिखती हैं:

'उस दिन मैं बिना कुछ सोचे हुए ही निराला जी से पूछ बैठी थी, 'आपके किसी ने राखी नहीं बाँधी?' अवश्य ही उस समय मेरे सामने उनकी बंधन शून्य कलाई और पीले कच्चे सूत की ढेरों राखियाँ लेकर घूमने वाले यजमान-खोजियों का चित्र था। पर अपने प्रश्न के उत्तर ने मुझे क्षण भर के लिए चौंका दिया। 'कौन बहन हम जैसे भुक्खड़ को भाई बनावेगी?', में उत्तर देने वाले के एकाकी जीवन की व्यथा थी या चुनौती यह कहना कठिन है। पर जान पड़ता है कि किसी अव्यक्त चुनौती के आभास ने ही मुझे उस हाथ के अभिषेक की प्रेरणा दी। मेरा प्रयास किसी जीवंत बवंडर को कच्चे सूत में बाँधने जैसा था या किसी उच्छल महानद को मोम के तटों में सीमित करने के समान, यह सोचने विचारने का तब अवकाश नहीं था। पर लौकिक दृष्टि से नि:स्व निराला हृदय की निधियों में सबसे समृद्ध भाई हैं, उन्होंने अपने सहज विश्वास से मेरे कच्चे सूत के बंधन को जो दृढ़ता और दीप्ति दी है वह अन्यत्र दुर्लभ है।'

इस घटना के बाद से महादेवी निराला को प्रति वर्ष राखी बाँधने लगीं। एक बार निराला रक्षा बंधन के दिन सुबह-सुबह अपनी लाडली बहन के घर जा पहुँचे और रिक्शा रुकवाकर चिल्लाकर द्वार से बोले, 'दीदी जरा बारह रुपये लेकर आना।' महादेवी ने पूछा, 'यह तो बताओ भैया, यह सुबह-सुबह आज बारह रुपये की क्या ज़रूरत आन पड़ी?'

हालाँकि 'दीदी' जानती थीं कि उनका यह दानवीर भाई रोजाना ही किसी न किसी को अपना सर्वस्व दान कर आता है, पर आज तो रक्षा-बंधन है, आज क्यों?

निराला जी सरलता से बोले, 'ये दुई रुपया तो इस रिक्शावाले के लिए और दस रुपये तुम्हें देना है। आज राखी है! तुम्हें भी तो राखी बँधवाई के पैसे देने होंगे।'

ऐसे थे फक्कड़ निराला और ऐसी थी उनकी स्नेहमयी 'दीदी'।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

1 महादेवी वर्मा कौन थीं?

.... [1]

2 निराला से महादेवी ने किस बारे में पूछा?

.... [1]

3 निराला के उत्तर से उनके बारे में क्या जानकारी मिलती है?

.... [1]

4 निराला के उत्तर पर महादेवी को क्या लगा?

.... [1]

5 महादेवी से बारह रुपये माँगने वाली घटना निराला के व्यक्तित्व की कौन से विशेषता दर्शाती है?

.... [1]

6 इस संस्मरण से रक्षाबंधन के त्योहार के बारे में क्या 3 जानकारियाँ मिलती है?

....

....

.... [3]

[पूर्णांक 8]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 2: प्रश्न 7–15

'अंतराल वर्ष' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7 से 15 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A से D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।

A अंतराल वर्ष या गैप ईयर, वह समय है जब छात्र आमतौर पर हाई स्कूल पूरा करने के बाद और कॉलेज शुरू करने से पहले अपनी पढ़ाई से विराम लेते हैं। इस दौरान, छात्र विभिन्न प्रकार की शैक्षिक और विकासात्मक गतिविधियों, जैसे कि कार्य-अनुभव, यात्रा, स्वैच्छिक सेवा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, कला या विदेशी भाषा का अध्ययन आदि में संलग्न होते हैं। इनमें से स्वैच्छिक सेवा एक लोकप्रिय विकल्प है, क्योंकि यह छात्रों को अपने समुदाय को कुछ वापस देने और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने के अवसर देता है। अंतराल वर्ष पहली बार 1960 के दशक में प्रचलित हुआ। इसका प्राथमिक उद्देश्य भविष्य के युद्धों को रोकने की आशा से सांस्कृतिक आदर्शों का आदान-प्रदान करना था। अंतराल वर्ष के दौरान की गई गतिविधियाँ व्यक्ति के लक्ष्यों पर निर्भर करती हैं। कुछ अभिभावकों को चिंता हो सकती है कि उनके बच्चे अंतराल वर्ष पूरा होने के बाद अपनी शिक्षा जारी रखना टाल देंगे। किंतु शोध के अनुसार अंतराल वर्ष के अनुभव से परिपक्व छात्र सामान्यत: शैक्षिक रूप से अपेक्षाकृत अधिक सफल होते हैं। कुछ विद्यार्थी मनवांछित विषय और कॉलेज में प्रवेश न मिलने पर आगामी वर्ष में पुन: चेष्टा करने के उद्देश्य से भी एक वर्ष का विराम लेते हैं।

B इस वर्ष के दौरान, छात्र कॉलेज शुरू करने से पहले अनुभव और परिपक्वता प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह के विराम दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। अंतराल वर्ष के आलोचकों का कहना है कि इसके वर्तमान रूप में सुधार आवश्यक है क्योंकि यह अनुभव मुख्य रूप से साधन संपन्न छात्रों को ही उपलब्ध होता है। इसके अतिरिक्त स्कूल से एक साल की छुट्टी लेने से छात्र का ध्यान भंग हो सकता है और उनकी गाड़ी पटरी से उतर सकती है। इसके समर्थकों के अनुसार अंतराल वर्ष छात्रों में वयस्कता के लिए आवश्यक परिपक्वता, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पुष्ट करने के साथ विभिन्न संस्कृतियों के बारे में ज्ञान का विस्तार करने में मदद करता है। स्कूल या काम से विराम लेने के अपने अंतराल वर्ष के अनुभव का अधिकतम लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि आपके पास इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर हो कि आप इस विराम से क्या पाना चाहते हैं? प्रत्येक व्यक्ति का उत्तर अलग होगा।

C अंतराल वर्ष के लिए बहुत सारी आर्थिक योजना की ज़रूरत होती है। कुछ संस्थाएँ इसके लिए छात्रवृत्ति और अनुदान प्रदान करती हैं। आवश्यक रकम जमा करने के लिए अपने दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करना, बाहर के खाने या अधिक खर्च में कटौती से लेकर दूरस्थ काम करने वाली नौकरी आदि सुझाव दिए जाते हैं। इन सबसे अधिक महत्वपूर्ण है एक यथार्थवादी बजट बनाकर उसका अनुसरण करना। अंतराल वर्ष में विदेश यात्रा करने के लिए पासपोर्ट, यात्रा बीमा, टीकाकरण, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली से जुड़ना आदि कुछ बुनियादी आवश्यक चीजें भी शामिल हैं। इसके साथ लंबे समय तक घर से दूर रहने के बाद वापस लौटने पर वास्तविक दुनिया की दिनचर्या से सामंजस्य बैठाना एक चुनौती हो सकती है। इसके लिए घर लौटने से पहले मानसिक तैयारी करना आवश्यक है।

D अंतराल वर्ष ऐसे मूल्यवान कौशल विकसित करने के अवसर प्रदान करता है जिन्हें कक्षा में नहीं सीखा जा सकता। सांस्कृतिक जागरूकता, संगठन, स्वतंत्रता और आत्मविश्वास सुनियोजित रूप से प्रयत्न करने से प्राप्त होते हैं। अपने सुविधा-क्षेत्र और प्रतिदिन की गतिविधियों के बदले नये लोगों से मिलकर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य मिलता है। इस बीच घर की याद आ सकती है, अधिकांश यात्री किसी न किसी बिंदु पर यह अनुभव करते हैं। अच्छे समय के साथ-साथ कठिन समय का अनुभव करने की संभावना से घबराने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इस प्रकार की चुनौतियाँ और असुविधाएँ विकास को बल देती हैं। अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना और यह पहचानना कि आपको कब मदद की आवश्यकता है, महत्वपूर्ण है। एक गंभीर समस्या व्यक्तिगत जोखिम की है। अधिकांश के लिए, अंतराल वर्ष के लाभ संभावित जोखिम से कहीं अधिक हैं। वास्तव में, अंतराल वर्ष अपने बारे में जानने की एक व्यक्तिगत यात्रा है जिसको एक वर्ष के अवकाश नहीं बल्कि एक सार्थक वर्ष के रूप में देखा जाना चाहिए।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

नीचे दिए गए वक्तव्यों (7–15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद (A से D) किस वक्तव्य से संबंधित है।

उदाहरण:

गैप ईयर को हिंदी में अंतराल वर्ष कहते हैं।

A ✓ B ☐ C ☐ D ☐

7 अंतराल वर्ष के अवसर सबके लिए समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

8 लम्बे समय के लिए परिवार और दोस्तों से दूर रहने में मानसिक कष्ट हो सकता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

9 अंतराल वर्ष पूरा करके घर लौटने में परिवार के साथ तालमेल बैठाना कठिन हो सकता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

10 कुछ अभिभावको के अनुसार अंतराल वर्ष के बाद बच्चे विद्यार्थी जीवन में लौटना नहीं चाहेंगे।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

11 यात्रा में अपने मनोबल से विघ्न बाधाओं का सामना करने से आत्मविश्वास बढ़ता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

12 अंतराल वर्ष की योजना की सफलता उद्देश्य की स्पष्टता पर निर्भर करती है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

13 अंतराल वर्ष का तात्पर्य एक लंबी और दिशाहीन छुट्टी नहीं होना चाहिए।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

14 अंतराल वर्ष की शुरुआत दूसरे देशों की संस्कृति और परंपरा के बारे में सीखने के लिए हुई थी।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

15 एक सफल अंतराल वर्ष बिताने के लिए आवश्यक आर्थिक साधन जुटाने के अनेक उपाय होते हैं।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

[पूर्णांक 9]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'आमेर का किला' के बारे में निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

राजस्थान की राजधानी जयपुर से लगभग 11 किलोमीटर दूर 'चील का टीला' पर्वत पर प्राचीन हिंदू-राजपूताना और मुगल स्थापत्य शैली में निर्मित होने के कारण आमेर का किला, जयपुर का प्रमुख पर्यटन स्थल है। इसका निर्माण 16वीं शताब्दी में राजा मानसिंह प्रथम ने करवाया था। बाद में 150 वर्षों तक उनके उत्तराधिकारियों ने किले का विस्तार और नवीकरण किया। विशाल प्राचीरों, ऊँचे द्वारों और पथरीले रास्तों से समृद्ध आमेर के किले का प्रतिबिम्ब पहाड़ी के ठीक नीचे बने मावठा सरोवर में देखा जा सकता है। लाल बलुआ पत्थर एवं श्वेत संगमरमर से निर्मित यह आकर्षक किला पहाड़ी के चार स्तरों पर बना हुआ है।

किले में प्रवेश करने का मुख्य द्वार प्रथम प्रांगण में है, जिसे सूरज पोल भी कहा जाता है। यहाँ से उगते सूरज की किरणें किले में प्रवेश करती हैं। सेना के घुड़सवार आदि एवं शाही गणमान्य व्यक्ति महल में इसी द्वार से प्रवेश करते थे। यहाँ से जलेबी चौक का रास्ता और चौक के पार महलों, उद्यानों और मंदिरों की भूल-भुलैया है। जलेबी चौक के प्रांगण में युद्ध में विजयी होकर लौटी सेना का जलूस निकाला जाता था। महाराजा सेना की टुकड़ियों का निरीक्षण करके सलामी लेते थे। राज परिवार की स्त्रियाँ जालीदार झरोखों से यह सब देखती थीं। इसी प्रांगण के बगल में अस्तबल है जिसके ऊपरी स्तर पर अंगरक्षकों के रहने की जगह है। जलेबी चौक से एक शानदार सीढ़ीनुमा रास्ता महल के मुख्य प्रांगण को जाता है। इसके दाहिनी ओर कुलदेवी शिला माता के मंदिर जाने का रास्ता है। मंदिर का मुख्य द्वार चाँदी के पत्र से मढ़ा हुआ है। मंदिर के भीतर दोनों ओर चाँदी के बने दो बड़े सिंहों के बीच देवी की मूर्ति स्थापित है। जलेबी चौक से दिखने वाली दूसरी तरफ़ की सीढ़ियाँ सिंह पोल की ओर जाती हैं।

द्वितीय प्रांगण की विशेषता दीवान-ए-आम अर्थात जन साधारण का प्रांगण है। यहाँ महाराजा दरबार लगा कर आम जनता की ज़रूरतों और शिकायतों को सुनते थे। दीवान-ए-ख़ास में वे अन्य राज्यों के विशिष्ट अतिथियों, मंत्रियों और अपने मित्रों से मिलते थे। दूसरी ओर अत्यंत आकर्षक शैली में बना सुख निवास है जहाँ महाराजा अपनी रानियों के साथ समय व्यतीत करते थे। इस कलात्मक कक्ष में कृत्रिम रूप से ठंडी जलवायु बनाई गई थी। प्रांगण में नलिकाओं द्वारा प्रवाहित होने वाला ठंडा पानी भवन के वातावरण को आधुनिक वातानुकूलित भवनों की तरह शीतल रखता था। इन नालियों से निकलने के बाद यह जल उद्यान की क्यारियों को सींचने के लिए उपयोग होता था।

तृतीय प्रांगण में महाराजा, उनके परिवार के सदस्यों एवं अंगरक्षकों के निजी कक्ष बने हुए हैं। इस प्रांगण का प्रवेश गणेश पोल से मिलता है। गणेश पोल पर उत्कृष्ट स्तर की चित्रकारी एवं शिल्पकारी है। द्वार के ऊपर भगवान गणेश की एक छोटी सी मूर्ति विराजती है। इस प्रांगण में एक दूसरे के आमने-सामने दो इमारतें बनी हैं। इनके बीच में मुगल उद्यान शैली के बाग बने हुए हैं। प्रवेश द्वार के बायीं ओर की इमारत को जय मन्दिर कहते हैं जो शीशमहल के नाम से प्रसिद्ध है। यह महल शीशे की टाइलों से बना हुआ है एवं इसकी छत पर भी बहुरंगी शीशों और रंगीन चमकीले धातु पत्रों के उत्कृष्ट प्रयोग कर अतिसुन्दर मीनाकारी व चित्रकारी की गई है। शीशमहल इस किले की सबसे अधिक रोमांचक विशेषताओं में से है। शीशे की टाइलों से बनाए जाने के कारण यदि एक मोमबत्ती जलाएँ तो शीशे पर उसका प्रतिबिम्ब हज़ारों तारों जैसा झिलमिलाता है। कहा जाता है कि महारानी को तारों के नीचे सोना पसंद था, लेकिन उन्हें खुले में सोने की अनुमति नहीं थी। इसलिए महाराजा ने उनकी इच्छा पूरी करने के लिए यह बनवाया था। शीशमहल के स्तंभों पर संगमरमर में उकेरा हुआ जादुई पुष्प है जिसमें सात विशिष्ट आकृतियाँ हैं।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

चौथे प्रांगण की जनानी ड्योढ़ी में राजपरिवार की महिलाएँ, राजमाता एवं राजा की पटरानी रहती थीं। उनकी दासियाँ व बांदियाँ भी यहीं निवास करती थीं। यहाँ जस मन्दिर नाम से एक निजी कक्ष है, जिसमें काँच के फूलों की उत्कृष्ट नक्काशी है।

आमेर के किले को सन 2013 में युनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। यहाँ पर्यटकों की सुविधा के सभी साधन उपलब्ध हैं। जयपुर शहर रेल और वायु मार्ग द्वारा देश के बड़े शहरों और कुछ चुने हुए अन्तरराष्ट्रीय गंतव्यों से भी जुड़ा हुआ है। स्टेशन से टैक्सी, ऑटोरिक्शा, नगर बस सेवा या निजी वाहन अच्छे विकल्प हैं। महल तक जाने के लिए पर्यटकों के लिये हाथी की सवारी उपलब्ध रहती है। पैदल मार्ग सबसे सस्ता व सरल विकल्प है।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'आमेर का किला' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16 से 19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

16 आमेर के किले की अवस्थिति

- ....
- .... [2]

17 आमेर के किले के निर्माण का इतिहास

- ....
- .... [2]

18 किले के मुख्य आकर्षण

- ....
- ....
- ....
- .... [4]

19 पहुँचने के साधन

- .... [1]

[पूर्णांक 9]

अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने बनाए नोट्स के आधार पर 'आमेर का किला' शीर्षक लेख का सारांश लिखेंगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 4: प्रश्न 20

अभ्यास 3 के आलेख 'आमेर का किला' में जयपुर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल आमेर के किले के विस्तृत विवरण हैं। अभ्यास 3 के आलेख और अपने बनाए नोट्स के आधार पर उसका सारांश लिखें।

आपका सारांश **100 शब्दों** से अधिक नहीं होना चाहिए।

आप यथासंभव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको **अंतर्वस्तु** के लिए अधिकतम **4** अंक **और सटीक और संक्षिप्त भाषा** के लिए अधिकतम **6** अंक तक दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

© UCLES 2025

https://xtremepape.rs/

[10]

[पूर्णांक 10]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
https://xtremepape.rs/

अभ्यास 5: प्रश्न 21

आपके जन्मदिन पर आपके दादाजी ने आपको धनराशि दी है। अपने दादा जी को एक ई-मेल लिखकर उन्हें धन्यवाद दें। आपके ई-मेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

- जन्मदिन के समारोह का विवरण
- धनराशि का आप क्या करेंगे
- दादाजी के प्रति आभार प्रदर्शन।

आपका ई-मेल लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए।

आपको **3** अंक **अंतर्वस्तु के लिए** और **5** अंक **सटीक भाषा एवं शैली** के लिए दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

[8]

[पूर्णांक 8]

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 6: प्रश्न 22

आधुनिक युग में तकनीकी विकास से दैनिक जीवन सहज हो गया है लेकिन बेरोज़गारी की समस्या बढ़ रही है।

आप कहाँ तक इस मत से सहमत हैं? अपने विचारों को समझाते हुए स्कूल की पत्रिका के लिए अपना लेख लगभग **200 शब्दों** में लिखिए। आपका लेख विषय की जानकारी पर केंद्रित होना चाहिए।

तकनीकी विकास से जीवन सहज हो गया।

तकनीकी विकास से बेरोज़गारी बढ़ गई।

ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।

लिखित प्रस्तुति पर **अंतर्वस्तु** के लिए **8** अंक तक और **सटीक भाषा** के लिए भी **8** अंक तक दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

[16]

[पूर्णांक 16]

© UCLES 2025

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/